भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

13.02.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1735 का उत्तर

यात्री किराए में संशोधन

1735. श्री हारिस बीरान:

श्रीमती फूलो देवी नेतम:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान यात्री किराए में दो बार संशोधन किया है, यदि हाँ, तो प्रत्येक संशोधन की तिथियाँ, रेलगाड़ियों की श्रेणियाँ और यात्रा की श्रेणियां कौन सी हैं;

(ख) इन किराया संशोधनों से प्रभावित स्टेशनों और सेवाओं का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने दूसरा संशोधन लागू करने से पहले यात्रियों, विशेषकर निम्न और मध्यम आय वाले यात्रियों पर कई बार किराया बढ़ने से होने वाले कुल वित्तीय प्रभाव का आकलन किया था; और

(घ) सरकार किस प्रकार से इस प्रणाली को संशोधित करने की योजना बना रही है, ताकि उन यात्रियों को मिलने वाली सेवा में कोई बाधा न आए जो दोगुनी बढ़ी हुई राशि का भुगतान नहीं कर सकते?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारतीय रेल ने 5 वर्ष के अंतराल के बाद यात्री किरायों के दो युक्तीकरण किए हैं। ये संशोधन लागू श्रेणियों में सर्वत्र एकरूप और अंशाकित विधि से किए गए हैं। पहला युक्तीकरण 01.07.2025 से कार्यान्वित किया गया था, जिसमें द्वितीय श्रेणी साधारण के किराए में 500 किलोमीटर तक कोई वृद्धि नहीं की गई और उसके बाद प्रति यात्री प्रति किलोमीटर

किराए में आधे पैसे की वृद्धि की गई। साधारण (शयनयान श्रेणी और प्रथम श्रेणी) में प्रति यात्री प्रति किलोमीटर किराये में आधे पैसे, मेल/एक्सप्रेस में अवातानुकूल श्रेणियों में प्रति यात्री प्रति किलोमीटर 01 पैसे और आरक्षित वातानुकूल श्रेणियों में प्रति यात्री प्रति किलोमीटर 02 पैसे की मामूली वृद्धि की गई थी।

द्वितीय युक्तीकरण 26.12.2025 को कार्यान्वित किया गया था, जिसमें 215 किलोमीटर तक द्वितीय श्रेणी साधारण में कोई वृद्धि नहीं और इसके बाद प्रति यात्री प्रति किलोमीटर 01 पैसे की वृद्धि की गई। साधारण (शयनयान श्रेणी और प्रथम श्रेणी) में प्रति यात्री प्रति किलोमीटर 01 पैसे की वृद्धि और मेल/एक्सप्रेस में अवातानुकूल श्रेणी तथा वातानुकूल श्रेणी में प्रति यात्री प्रति किलोमीटर 02 पैसे की मामूली वृद्धि की गई थी।

किराए में वृद्धि कम ही रही है, जो कि यात्रा के प्रति किलोमीटर पर आधे पैसे से लेकर 02 पैसे तक है। निम्न और मध्य आय वर्गीय यात्रियों के सामर्थ्य की चिंताओं को देखते हुए, पिछले दस वर्षों में उपनगरीय सेवा और सीजन टिकट धारकों के लिए किराए में कोई वृद्धि नहीं की गई है। यह अनुमान है कि आधे से भी कम यात्राओं में किराए में मामूली वृद्धि होगी।

वित्त वर्ष 2023-24 में यात्रियों की यात्रा पर दी गई कुल सब्सिडी राशि अनंतिम रूप से 60,466 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यह राशि यात्रियों की यात्रा की लागत की 45% सब्सिडी के बराबर है। दूसरे शब्दों में, यदि सेवा उपलब्ध कराने की लागत 100 रुपए है, तो टिकट की कीमत मात्र 55 रुपए है। इस सब्सिडी के साथ-साथ, जो सभी यात्रियों के लिए सर्वनिष्ठ है, दिव्यांगजनों की कई कोटियों, रोगियों की 11 कोटियों और विद्यार्थियों की 8 कोटियों के लिए रियायतें भी जारी हैं।

******